वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 14 अप्रैल 2025
वर्ष 6, अंक 143, पृष्ठ 14
3 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण अखबार

वायरस से बचाव के लिए वैक्सीन जरूरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

डॉ. अलका को सम्मानित करते देवमूर्ति।

- **वुमन फिजिशियन्स ऑफ इंडिया की पहली कॉन्फ्रेंस का एसआरएमएस में समापन**
- **पद्म श्री डॉ. अलका देश पांडेय ने वायरस जनित बीमारियों पर दिया व्याख्यान**

अमृत विचार: हजारों बरसों से इंसान सूक्ष्म जीवियों के साथ रह रहा है, लेकिन इंसानी स्वार्थ से प्रकृति को होने वाला नुकसान वायरस में बदलाव ला रहा है। साथ ही इंसान की बिगड़ती आदतें और असक्रिय जीवनशैली भी सूक्ष्म जीवियों के लिए मददगार साबित हो रही है।

चाहे वह सार्स, जीका या एचआईवी या कोविड 19 वायरस से हो। इन सबसे बचाव के लिए हमें संतुलित जीवनशैली के साथ ही इससे संबंधित वैक्सीन को अपनाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य है कि ऐसा होता नहीं। अभी वैक्सीन को लेकर ज्यादातर लोग जागरूक नहीं हैं या अपनी पूर्व धारणाओं के चलते इसे नहीं अपना रहे। ये बातें बतौर मुख्य अतिथि पद्मश्री फिजिशियन डॉ. अलका देश पांडेय ने वुमन फिजिशियन्स ऑफ इंडिया की पहली कॉन्फ्रेंस में वायरस जनित बीमारियों पर व्याख्यान में कहीं।

उन्होंने सभी वायरस जनित महामारी से बचाव के उपाय बताए और इसके लिए जागरूकता को सबसे जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि वैक्सीन का विरोध करने के बजाय हम जितनी जल्दी इसे अपना लेंगे, उतना ही हम खुद भी वायरस जनित बीमारियों से दूर रहेंगे और समाज को भी महामारी की चपेट में आने से बचाएंगे। इससे पहले कॉन्फ्रेंस का साइंटिफिक सेशन डॉ. वेणु जामवाल (जम्मू) के यूटीआई रिस्क फैक्टर्स और मैनेजमेंट पर दिए व्याख्यान से शुरू हुआ। डॉ. रेनू सैंगल (जयपुर) ने लूपस नेफ्रिटिस पर व्याख्यान दिया।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित कान्फ्रेंस का रविवार को समापन हो गया। इससे पहले मुख्य अतिथि डॉ. अलका देश पांडेय, एसआरएमएस के संस्थापक एवं चेयरमैन देवमूर्ति, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. निर्मल यादव, आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. प्रेरणा कपूर, साइंटिफिक चेयरपर्सन डॉ. आभा गुप्ता, डॉ. पदमश्री गुलाटी और डॉ. स्मिता गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उद्घाटन सत्र में चेयरमैन देव मूर्ति ने महिला चिकित्सकों को बधाई दी। डॉ. एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया। डॉ. स्मिता गुप्ता ने आभार जताया। संचालन डॉ. अनामिका सावंत (मुंबई) ने किया। अन्य विशेषज्ञों ने सत्रों में व्याख्यान के माध्यम से अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर डॉ. सीमा सेठ, डॉ. मालिनी कुलश्रेष्ठ, डॉ. अस्मिता देशमुख, डॉ. अर्चना पाटे, डॉ. मीनाक्षी अवस्थी, डॉ. निधि मिश्रा, डॉ. शक्ति कंसल, डॉ. प्रेरणा कपूर, मंजू पांडेय, डॉ. मनीषा गुप्ता, डॉ. हिना सिंह और डॉ. गुंजन मित्तल, डॉ. अनुपमा, डॉ. अश्वनी पाटिल, डॉ. आनंदिता सेठ, ऋतु दास चौधरी, डॉ. पूनम अग्रवाल, डॉ. पीके बोस, डॉ. शरद अग्रवाल, डॉ. दीपक दास, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. दर्शन मेहरा, डॉ. सचिन अग्रवाल उपस्थित रहे।

पीजी क्विज में डॉ. आसिमा अरोड़ा और डॉ. दीप्ति सिंह विजयी

कॉन्फ्रेंस में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में पीजी क्विज और पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन हुआ। पीजी क्विज में बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज की डॉ. आसिमा अरोड़ा और डॉ. दीप्ति सिंह को पहला, एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के डॉ. भुवन दुआ और डॉ. दाराब इम्तियाज को दूसरा और बीआरडी मेडिकल कॉलेज के डॉ. कामना पांडेय और डॉ. रोमाला गौतम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। पीजी क्विज का संचालन डॉ. मालिनी कुलश्रेष्ठ और मीनाक्षी अवस्थी ने किया। पोस्टर प्रेजेंटेशन में पहला पुरस्कार संयुक्त रूप से डॉ. कृतिका छाबड़ा (एसआरएमएस) और डॉ. साई कृति (जीएमसी हल्द्वानी) को, दूसरा पुरस्कार डॉ. अभय कुमार सिंह (एसआरएमएस) और डॉ. ईशा वर्मा को और तीसरा पुरस्कार डॉ. मनाली (एसआरएमएस) और सांत्वना पुरस्कार डॉ. सोनाक्षी चौहान और प्रिया वार्ष्णेय को मिला।